बद्रीनाथ मंदिर

चर्चा में क्यों?

उत्तराखंड के चमोली ज़िले में स्थित **बद्रीनाथ मंदिर** के पवित्र कपाट 4 मई, 2025 को श्रद्धालुओं के लिये खोले जाएंगे।

मुख्य बिंदु

- **बद्रीनाथ मंदिर खोलने पर निर्णय:**
- **बसंत पंचमी** के अवसर पर पुजारियों ने विशेष पूजा-अर्चना के पश्चात बद्रीनाथ मंदिर के कपाट खोलने का शुभ समय तय किया।
- **चार धामों का वार्षिक समापन और पुनः उद्घाटन:**
- **दीवाली के बाद, अधिकारियों द्वारा चार धाम— बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री—** भक्तों के लिये बंद कर दिये जाते हैं।
    - अगले वर्ष **अप्रैल-मई में द्वार पुनः खुलेंगे।**

चार धाम यात्रा

- **यमुनोत्री धाम:**
    - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला
    - देवी यमुना को **समर्पित**
    - **यमुना नदी भारत** में **गंगा नदी** के बाद दूसरी सबसे पवित्र नदी है।
- **गंगोत्री धाम:**
    - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला
    - देवी गंगा को **समर्पित**
    - सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।
- **केदारनाथ धाम:**
    - **स्थान:** रुद्रप्रयाग ज़िला
    - भगवान शिव को **समर्पित**
    - **मंदाकिनी नदी** के तट पर स्थित है।
    - **भारत में 12 ज्योतिर्लिंगों** (भगवान शिव के दिव्य प्रतिनिधित्व) में से एक।
- **बद्रीनाथ धाम:**
    - **स्थान:** चमोली ज़िला
    - बद्रीनारायण मंदिर का पवित्र स्थल
    - भगवान विष्णु को **समर्पित**
    - वैष्णवों के लिये पवित्र तीर्थस्थलों में से एक।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/badrinath-temple-1